जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 48 संख्याः 333 प्रभात कोटा, शनिवार 16 सितम्बर, 2023 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

बौद्धों की एक परम्परा तिब्बत के पठार की नदियों में रहने वाले ऊदबिलावों (आटर्स) के लिए वरदान बन गई है। ''इन्टरनेशनल जरनल ऑफ इन्टर रिलिजस एंड इन्टरकल्चरक स्टडीज़'' में प्रकाशित 2020 के एक शोध में बताया गया है कि, बौद्धों की एक धार्मिक परंपरा है ''फैंगशैंग'' (मुक्ति), इसमें बाज़ार में बिकने के लिए आए जानवरों को खरीदकर उन्हें जीवनदान दिया जाता है। बौद्ध धर्म ग्रंथ कहते हैं कि, यह रस्म ''ऋण चुकाने,'' ''दुर्भाग्य और खराब स्वास्थ्य को खत्म करने'' तथा ''किसी जीव के जीवन को बढ़ाने'' का एक जरिया है। प्रथा के अनुरुप, दक्षिण -पश्चिमी चीन में तिब्बत के पठार पर रहने वाले बौद्ध धर्मावलंबी बाजार से मछलियाँ खरीदकर, उन्हें स्थानीय नदियों में छोड़ देते हैं। ''करंट ज़ूलॉजी'' जर्नल में छपे शोध के अनुसार, ये मछलियां नदियों में रहने वाले ऑटर्स का भोजन बन गई हैं। इतना ही नहीं, प्रायः क्रूशियन कार्प तथा कॉमन कार्प जैसी बाहरी मछलियों को बाज़ार से खरीदकर नदियों में छोड़ा जाता है। इन बाहरी मछलियों से बीमारी फैलने का डर होता है, इसके अलावा स्थानीय मछलियों को इन बाहरी मछलियों के साथ भोजन के अपने संसाधन को साझा करना पड़ता है। इसलिए स्थानीय प्रशासन ने बाहरी मछलियाँ नदियों में छोड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन फिर भी हर साल हजारों मछलियाँ नदियों में छोड़ी जाती हैं। परंतु, शोधकर्ताओं ने देखा कि, इसके बावजूद भी स्थानीय नदियों में इन मछलियों की तादाद ज्यादा नहीं है। वर्ष 2022 में लिए गए सैम्पल में मात्र दो क्रूशियन कार्प मिलीं। असल में बात यह है कि, यूरेशियन ऑटर्स इन मछलियों को बहुत पसंद करते हैं। यह जानने के लिए कि, धार्मिक रस्म के तहत नदियों में छोड़ी गई इन बाहरी मछलियों को ऑटर्स खा रहे हैं या नहीं, टीम ने ऑटर के मल के नमूने लिए और पाया कि, हालांकि नदी में बाहरी प्रजाति की मछलियों की संख्या स्थानीय मछलियों की तुलना में कम है, लेकिन इसके बावजूद भी ऑटर्स के मल में बाहरी प्रजाति की मछलियों की उपस्थिति अधिक पाई गई। शोधकर्ताओं का कहना है कि, इस प्रकार ऑटर्स नदी के इको सिस्टम में बाहरी मछलियों की आबादी को नियंत्रित रख रहे हैं।

चीन के रक्षा मंत्री शांग फू भी अचानक गायब हुए

इससे पहले चीन के विदेश मंत्री किन गांग भी अचानक लापता हो गए थे

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 सितम्बर। चीन सरकार के विभागों में बार-बार हो रहे बदलाव नेतृत्व में अनिश्चय की स्थिति के सूचक हैं।

चीन के विदेश मंत्री क्विन गांग के एकाएक गायब हो जाने के बाद, चीन सरकार के एक और शीर्ष सदस्य अचानक अदृश्य हो गये हैं।

ली शांग फू, जो अभी हाल तक चीन के रक्षा मंत्री थे, उस समय के बाद दिखाई नहीं दे रहे, जब उन्होंने एक वियतनामी प्रतिनिधिमंडल के साथ हो रही उच्चस्तरीय मीटिंग के एक राउन्ड से स्वयं को एकाएक हटा लिया था। उन्होंने यह कदम दोनों देशों के बीच सीमा संबंधी एक बिन्दु पर चर्चा के समय उठाया था। जनरल ली इससे पूर्व चीनी रक्षा खरीद के कार्य से जुड़े रहे हैं।

इससे पूर्व भी, चीन के शीर्ष नेतृत्व ने देश की न्यूक्लियर फोर्स तथा मिसाइल्स विभाग के शीर्ष सदस्यों को पूरी तरह बर्खास्त कर दिया था। चीन की न्यूक्लियर फोर्स तथा मिसाइल विभाग से जुड़े बहुत से मुख्य अधिकारियों को एकाएक हटा दिया गया था।

- **महत्वपूर्ण विभागों के मंत्रियों का इस तरह लापता हो जाना चीन के नेतृत्व पर कई सवाल खड़े करता है।**
- **वियतनाम डेलीगेशन से अचानक हटने के बाद से ली शांग फू कहीं भी नज़र नहीं आए हैं।**
- **इससे पहले चीन की न्यूक्लियर फोर्स और मिसाइल कार्यक्रम को देख रहे एक टॉप अधिकारी को भी हटा दिया गया था।**
- **इन घटनाओं को चीन में सरकार के उच्चतम स्तर पर व्याप्त असुरक्षा और संदेह का संकेत माना जा रहा है।**

चीनी सरकार तंत्र के मुख्य क्षेत्रों में हुये ये तीन बदलाव सरकार के शीर्ष स्तर पर खलबली के संकेत दे रहे हैं। सरकार के इन उच्च स्तरों पर चयन एवं नियुक्ति प्रक्रिया में पूरी तरह अपारदर्शिता है।

यह चीज सरकार के उच्चतम स्तरों पर असुरक्षा एवं संदेह के स्तर का संकेत भी हो सकती है। यह भी हो सकता है कि चीन के सर्वोच्च नेता शी जिनपिंग को इन प्रमुख क्षेत्रों में विद्रोह का डर लगातार सता रहा हो तथा उन्हें स्वयं को हटा दिये जाने का खतरा दिखाई दे रहा हो। विशेषज्ञों की सोच है कि एकाएक हो रहे ये बदलाव चीन सरकार अशांति के व्यापक स्तर के संकेत हैं।

जापान में अमेरिकन राजदूत, जो चीन तथा चीन संबंधी मामलों पर पैनी नज़र रखने के लिये जाने जाते हैं, ने एक्स, पूर्ववर्ती ट्विटर, पर अपने आकउन्ट में कटाक्ष करते हुये लिखा था कि इस समय चीनी सरकार की स्थिति बहुत कुछ अगाथा क्रिस्टी की जासूसी कहानी ''एंड वैन देयर वर नन''।

राजदूत इमैनुअल रैम ने एक्स में लिखा, ''राष्ट्रपति शी के मंत्रिमंडल का लाइनअप इस समय अगाथा क्रिस्अी के उपन्यास ''एंड दैन दे पर वर नन'' से मिलता-जुलता लग रहा है। पहले, विदेश मंत्री क्विन गैंन अदृश्य हुये, उसके बाद ''रॉकेट फोर्स'' के कमान्डर गायब हुये और अब रक्षा मंत्री ली शांग्फू दो सप्ताह से सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दे रहे हैं।''

उन्होंने चीन के इस गोरख धंधे को ''मिस्ट्री इन चाइना'' की संज्ञा दी। अचानक गायब हो जाना और अचानक सामने आ जाने का यह तरीका चीन के बैस्टफ्रैड रुस जैसा है। यूक्रेन वॉर के दौरान रुस की सेना के कई जनरल लुप्त है।

चीन के केस में शी कैबिनेट के इन दोनों मंत्रियों को अभी भी स्टेट काउन्सलर्स के रुप में संबोधित किया जा रहा है अर्थात् वे अभी भी कैबिनेट के सदस्य है। चीन के रक्षा मंत्रालय के रक्षा मंत्री ली का काफी भारी समर्थन है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बघेल से अलग राह चलने के फेर में अपनी ही पार्टी को शर्मिंदा कर दिया सिंह देव ने

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री बघेल और उपमुख्यमंत्री की आपसी रार, नए आयामों पर पहुंची

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 सितम्बर। संघीय व्यवस्था के मामले पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव एकमत नहीं है।

रायगढ़ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मंच साझा करते हुए उपमुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री की तारीफ की। उन्होंने कहा, ''केन्द्र सरकार राज्य के खिलाफ पूर्वाग्रह नहीं रखती। मैंने कभी पूर्वाग्रह का अनुभव नहीं किया। राज्य सरकार के रुप में हमने केन्द्र से जो भी मांगा उसने सहयोग किया। मुझे विश्वास है कि आपसी सहयोग से हम देश और राज्य को आगे ले जाएंगे।''

सिंहदेव की स्थिति मुख्यमंत्री बघेल से अलग दिख रही है। जिन्होंने गत माह केन्द्र सरकार पर राज्य की बकाया राशि जारी न करने का आरोप लगाया था। 23 अगस्त को बघेल ने प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखकर विकेन्द्रीकृत चावल योजना के बकाया 6000 करोड़ रुपए जारी करने की मांग की थी। बघेल मोदी सरकार पर यह भी आरोप लगा रहे हैं कि वह उन्हें डराने तथा राज्य सरकार को बदनाम करने के लिए ई.डी. और आयकर जैसी जांच एजेंसियों का दुराग्रहपूर्ण उपयोग कर रही है। बताया जाता है कि सिंहदेव बघेल से अलग राह ही चलते हैं, क्योंकि उन्होंने राज्य में कांग्रेस सरकार बनने के ढाई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 23 अगस्त को पत्र लिखकर प्र.मंत्री मोदी से राज्य के बकाया 6000 करोड़ रू. देने को कहा था तथा आरोप लगाया था कि, मोदी ई.डी. के जरिए उन्हें डराने की कोशिश कर रहे हैं।**
- **वहीं प्र.मंत्री मोदी के साथ मंच साझा करते हुए उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंह देव ने उनकी जम कर प्रशंसा की और कहा कि, केन्द्र सरकार से हमने जो मांगा वह मिला है, केन्द्र ने कभी भी पक्षपात नहीं किया।**
- **सिंह देव असल में बघेल से नाराज़ हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि, बघेल ने उनके मुख्यमंत्री बनने की संभावनाएं अवरूद्ध की हैं।**
- **हालांकि, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने समझौता करवा दिया था, पर, लगता है इस समझौते का अपेक्षित परिणाम नहीं निकला।**

कांग्रेस विधायक गिरफ्तार

रेवाड़ी, 15 सितम्बर। फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस विधायक मामन खान को नूंह जिला अदालत ने पूछताछ के लिए दो दिन के पुलिस कस्टडी डिमांड पर भेजा है। पुलिस ने मामन खान को गुरुवार देर रात राजस्थान से गिरफ्तार किया था। इसके बाद आज यानी शुक्रवार को उसे नूंह जिला कोर्ट में पेश किया गया।

'पत्रकारों का बायकॉट सैंसर शिप'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 सितम्बर। भारतीय जनता पार्टी ने ''घमण्डिया'' गठजोड़ - इण्डिया ब्लॉक -के घटकों द्वारा कुछ पत्रकारों को बायकॉट करने और उन्हें दी धमकी की कड़े शब्दों में निंदा की है। भाजपा ने कहा, ऐसा अतिनिन्दनीय निर्णय लेकर, ''घमण्डिया'' गठजोड़ ने एक बार और अपनी अत्यधिक दमनकारी, तानाशाही और सैंसरशिप वापस लाने की नकारात्मक सोच को उजागर किया है और भारतीय जनता पार्टी विपक्ष के गठजोड़ द्वारा उठाए गए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **भाजपा ने विपक्षी गठबंधन इंडिया द्वारा कुछ टी.वी. एंकर्स के बहिष्कार पर यह भी कहा कि ''घमंडिया'' गठबंधन के नेताओं की पत्रकारों के बारे में बेहद घटिया सोच है और उनकी मानसिकता प्रैस का दमन करने की है।**

'कांग्रेस पांचों राज्यों के विधानसभा चुनाव जीतेगी'

हैदराबाद में आज शुरु हुई सी.डब्ल्यु.सी. की दो दिवसीय बैठक में वेणुगोपाल ने दावा किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 सितम्बर। हैदराबाद में होने वाली सी.डब्ल्यु.सी. की द्विदिवसीय मीटिंग से पहले, कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल ने विश्वास जताया है कि पार्टी इस वर्ष पाँच राज्यों, जिनमें तेलंगाना भी शामिल है, के आसन्न विधानसभा चुनावों में विजय प्राप्त करेगी।

उन्होंने एक प्रैस कॉन्फ्रैंस को बताया कि सी.डब्ल्यु.सी. के गठन के बाद, उसकी पहली मीटिंग शनिवार एवं रविवार को हैदराबाद में होगी। उन्होंने कहा कि सी.डब्ल्यु.सी. विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर चर्चा करेगी।

विपक्षी गठबंधन मीडिया द्वारा 14 टी.वी. एंकरों को ब्लैकलिस्ट कर दिये जाने को लेकर पूछे गये एक सवाल के उत्तर में, वेणुगोपाल ने कहा, ''हमें पूरी-पूरी आशा है कि (लोकतंत्र का) चौथा स्तम्भ, मीडिया लोकतंत्र का संरक्षक एवं उद्धारक बनेगा, जैसा कि पहले हुआ करता था।''

उन्होंने कहा, मीडिया की भूमिका यह होती है कि जब-जब सरकार कोई गलती करे, तो वह सरकार को सही रास्ते पर लाये। मीडिया का कर्तव्य है कि वह सरकार को सुधारे तथा इसी प्रकार मीडिया वह विपक्ष की आवाज का सहयोग किया करता था। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि कुछ मीडियाकर्मी केवल एक ही काम कर रहे हैं- सरकार का समर्थन करना तथा विपक्ष को बुरी तरह ध्वस्त करना। यह पत्रकारिता नहीं है। हम ऐसा नहीं मान रहे कि यह पत्रकारिता है, यह साफ तौर पर मोदी सरकार के पक्ष में एक ''स्पॉन्सर्ड जर्नलिज़्म'' है। यही कारण है कि इंडिया गठबंधन ने निर्णय लिया है कि उसका कोई घटक दल इन एंकरों वाले किसी कार्यक्रम में नहीं जायेगा।''

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव द्वारा प्रधानमंत्री को इस बात के पत्र लिखे जाने पर कि सोमवार से शुरु हो रहे संसद के पंचदिवसीय विशेष सत्र में महिला आरक्षण विधेयक पारित कराया जाये, वेणुगोपाल ने कहा कि यह विधेयक कांग्रेस का शिशु है। उन्होंने कहा, ''हमने यह विधेयक एक सदन (राज्यसभा) में पारित कर दिया था किन्तु दूसरे सदन में यह पहले दिन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **बैठक से पूर्व कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने पत्रकारों से वार्ता की और कहा कि, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.सी.आर. और भाजपा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, के.सी.आर. से हमारा कोई सरोकार नहीं है।**

तेलंगाना के मुख्यमंत्री की बेटी को अंतरिम राहत

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 सितम्बर। भारत राष्ट्र समिति की एम.एल.सी. और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव की पुत्री कविता को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली की आबकारी नीति की अनियमितताओं के मामले में 26 सितम्बर तक के लिए अंतरिम राहत प्रदान की। ई.डी., जिसने उन्हें शुक्रवार को सम्मन दिया था ने सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कविता को 26 सितम्बर तक उपस्थित होने के लिए नहीं कहा जाएगा।

- **के. कविता, जो तेलंगाना की सत्तारूढ़ पार्टी की एम.एल.सी. हैं, को दिल्ली की आबकारी नीति की अनियमितताओं के केस में सुप्रीम कोर्ट ने 26 सितम्बर तक राहत दी है।**

भाजपा नेताओं के भाषणों व बयानों से ''हिन्दुत्व'' लुप्त हुआ, अब ''सनातन'' पर ज्यादा फोकस

आम चुनावों तक भाजपा नेता इंडिया गठबंधन को सनातन धर्म का शत्रु बताते रहेंगे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 सितम्बर। सत्तारूढ़ भाजपा ने नवगठित इंडिया गठबंधन का मुकाबला करने के आगामी चुनाव में वर्षों से चल रहे अपने हिन्दुत्व एजेंडा की बजाय इस बार सनातन धर्म काम में लेना चाहती है।

सूत्रों के अनुसार, ज़मीनी स्तर तक के कार्यकर्ताओं को ये मौखिक निर्देश दिए गए है कि वे अपने वक्तव्यों और संवाद में हिन्दुत्व के बजाय सनातन शब्द का प्रयोग करें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कल पार्टी के कार्यकर्ताओं से कहा कि वे ''घमंडिया गठबंधन'' के कुटिल इरादों को हराएं और एकजुट रहें। पार्टी की नवीनतम रणनीति का संकेत आज मिला जब केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश की सबसे पुरानी पार्टी पर प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस उन गुटों का समर्थन करती है जो भारत को तोड़ना चाहते हैं।

आज एक समाचार चैनल को दिए इंटरव्यू में निर्मला ने कहा कि द्रमुक के और इंडिया गठबंधन हिन्दुओं और सनातन धर्म के खिलाफ है। उन्होंने उदयनिधि स्टालिन के भड़काऊ बयान पर हो रही राजनीति पर कड़ा प्रहार किया। उदयनिधि ने लोगों में भेदभाव और विभाजन के लिए सनातन धर्म को दोषी बताते हुए इसे समाप्त करने की अपील की।

कांग्रेस को सीधे निशाना बनाते हुए सीतारमण ने कहा कि ग्रैंड ओल्ड पार्टी के समर्थक भारत को तोड़ना चाहते है। भाजपा के सहयोगियों ने भी कांग्रेस, विशेषकर सोनिया गांधी निशाना बनाया। हालांकि कांग्रेस ने खुद को द्रमुक नेता के बयान से दूर कर लिया था।

मंत्री ने खुलेआम कहा कि यह सनातन धर्म का विरोध नहीं है बल्कि उसको मिटाने की चाल है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के किसी घटक ने इस बयान की निंदा नहीं की।

एन.डी.टी.वी. से बात करते हुए मंत्री ने आरोप लगाया कि सनातन का विरोध द्रमुक की घोषित नीति है और वे इसकी गवाह हैं।

सीतारमण ने कहा, ''तमिलनाडु के लोगों ने कष्ट भोगा। शेष देश भाषा की समस्या के कारण इसको समझ नहीं पाया। हमेशा से यही होता रहा है। अब सोशल मीडिया के कारण मंत्री ने क्या कहा इसे समझने के लिए किसी अनुवादक की जरूरत नहीं है। यह आश्चर्यजनक नहीं है। द्रमुक के नेता पिछले 70 साल से यही कर रहे है। यह दोगलापन है।''

उदयनिधि स्टालिन के बयान को संविधान का मखौल बताते हुए निर्मला ने आरोप लगाया कि वे जानबूझ कर विवादास्पद बयान दे रहे हैं, यह जानते हुए कि यह उनकी पद की शपथ का उल्लंघन है।

उदयनिधि स्टालिन ने कहा था

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **शुक्रवार को एन.डी.टी.वी. पर एक साक्षात्कार में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उदयनिधि स्टालिन के सनातन संबंधी बयान को लेकर विपक्षी गठबंधन इंडिया, खासकर कांग्रेस व सोनिया गांधी पर तीखा प्रहार किया और कहा कि, यह सनातन धर्म का विरोध नहीं, बल्कि सनातन धर्म को नष्ट करने की चाल है।**
- **भाजपा ने रणनीति में यह परिवर्तन इसलिए किया है क्योंकि उसे लगता है कि, हिन्दुत्व की बजाय सनातन व हिंदू शब्द ज्यादा स्वीकार्य हैं।**
- **ज्ञातव्य है कि, आर.एस.एस. हमेशा से हिन्दुत्व पर जोर देती रही है, क्योंकि उसकी सोच है कि, सनातन कमज़ोरों का धर्म है।**

एडिटर्स गिल्ड के पत्रकारों को सुप्रीम कोर्ट से पुनः राहत

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 सितम्बर। सर्वोच्च न्यायालय ने ''एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया'' (ई.जी.आई.) के चार सदस्यों को अबपीड़क कार्यवाही (कोअर्सिव एक्शन) में संरक्षण की अवधि को शुक्रवार को दो सप्ताह और बढ़ा दिया है। ज्ञातव्य है कि इन चार पत्रकारों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें किसी भी दंडात्मक कार्यवाही से दो सप्ताह की सुरक्षा और प्रदान की। ज्ञातव्य है कि, 4 सितम्बर को मणिपुर के मुख्यमंत्री ने एडिटर्स गिल्ड के चार पत्रकारों के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करवाई थी।**